मनुष्य ने पैदा कीं आपदाएं, खोजना होगा समाधान : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया दैनिक जागरण और इन्वेस्ट यूपी की ओर से आयोजित ग्रीन भारत समिट का शुभारंभ

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ: जलवायु परिवर्तन व प्रदूषण के बढ़ते दुष्प्रभावों से चिंतित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को 'दैनिक जागरण' द्वारा आयोजित 'ग्रीन भारत समिट' में कहा कि कई आपदाएं मनुष्य ने स्वयं पैदा की हैं। इनके समाधान के लिए सभी को आगे आना होगा। देश की राजधानी दिल्ली के प्रदूषण का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले एक महीने से वह गैस का चैंबर बनी हुई है। अब समय आ गया है जब विशेषज्ञ चिंतन से आगे बढ़कर संस्थानों में जाएं, शोध व नवाचार को आगे बढ़ाएं। कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने वाले प्रयासों को प्रोत्साहित करें। यह कार्य केवल सरकार के भरोसे नहीं होगा। सरकार, समाज व संस्थान, जागरूक लोग आमजन के साथ जुड़कर अभियान चलाएंगे तो धरती माता को बचाने में सफल होंगे। 'ग्रीन भारत समिट' इस दिशा में सार्थक पहल है।

होटल हयात रीजेंसी में आयोजित समिट में मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के साथ ही ग्लोबल वार्मिंग या ग्लोबल कूलिंग की समस्या खड़ी हुई है। एनसीआर में स्मोग की समस्या भी है। शुद्ध जल का न मिलना भी बड़ी समस्या है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'हर घर नल' के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने विकास भी अनियोजित व अवैज्ञानिक किया है। उद्योग बड़ा लगाएंगे और कचरा नदियों में उड़ेल देंगे। जीवनदायिनी नदियों को अस्वस्थ करके हम मानव व जीव सृष्टि पर आपदा खड़ी कर रहे हैं। क्षमता से अधिक कीटनाशक व केमिकल का छिड़काव करने से बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आपदा कहीं और से नहीं आई, बल्कि मनुष्य ने स्वयं ही खड़ी की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के बड़े देशों के साथ प्रधानमंत्री ने 2070 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए अनेक प्रयास प्रारंभ हुए हैं। करवरी 2024 में प्रधानमंत्री ने पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की। सूपी में नेट मीटरिंग व नेट बिलिंग की व्यवस्था बनाई। आप घर में सोलर पैनल लगाइए। जितनी बिजली की जरूरत होगी, उतनी मिलेगी, शेष बिजली का कारपोरेशन पैसा देगा। प्रदेश में 22 हजार मेगावाट नवीकरणीय व सौर ऊर्जा का लक्ष्य रखा गया है। 200 मेगावाट ऊर्जा मिल रही है।

उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री का स्वागत व कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए दैनिक जागरण के प्रबंध संपादक तरुण गुप्त ने कहा कि आज के समय में ग्रीन एनर्जी बहुत महत्वपूर्ण विषय है। सभी जगह प्रदूषण की समस्या है। भारत जैसे देश के सामने पर्यावरण और विकास के बीच समन्वय स्थापित करना बड़ी चुनौती है। विश्व की एक प्रतिशत गाड़ियां हमारे देश में हैं जबकि हादसे आठ से 10 प्रतिशत होते हैं। पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था तभी संभव होगी जब यूपी एक ट्रिलियन डालर की आर्थिकी बने। दैनिक जागरण के राज्य संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल ने आभार व्यक्त किया।

> जीवों के लिए सबसे उपयुक्त ग्रह धरती माता है। धरती माता को बचाने की दिशा में 'दैनिक जागरण' का 'ग्रीन भारत समिट' एक सार्थक पहल है। इस आयोजन के लिए दैनिक जागरण समूह को हृदय से धन्यवाद...।
>
> **-योगी आदित्यनाथ**, मुख्यमंत्री

पांच मंडलों में बनाई जाएंगी आउटर रिंग रोड व 10 जिलों में नए बाईपास

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ : प्रदेश में 1.39 लाख करोड़ रुपये से सड़कों का नया जाल बिछाने की तैयारी है। इससे पांच मंडलों-अलीगढ़, देवीपाटन, झांसी, मीरजापुर व सहारनपुर में आउटर रिंग रोड बनाई जाएंगी। 10 जिलों-औरैया, बुलंदशहर, मैनपुरी, बहराइच, बागपत, भदोही, संभल, कौशांबी, चंदौली व श्रावस्ती में बाईपास बनाने का प्रस्ताव है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ नई सड़क परियोजनाओं की विशेष समीक्षा के दौरान सहमति जताते हुए इनकी डीपीआर तैयार करने के लिए कहा। उन्होंने गोरखपुर-शामली मार्ग व कानपुर-गाजियाबाद मार्ग की डीपीआर शीघ्र बनाने के लिए भी कहा है। केंद्रीय मंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सुझाव दिए। मुख्यमंत्री आवास पर हुई बैठक में केंद्रीय मंत्री ने बरेली में एनएच 530 बी के सुधारीकरण, बाराबंकी-जरवल-बहराइच मार्ग के निर्माण, कबर्दई-कानपुर कारिडोर की डीपीआर तैयार करने को कहा। संबंधित खबरों >> 10

- केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री के साथ समीक्षा बैठक में जताई सहमति

लखनऊ में दैनिक जागरण द्वारा आयोजित ग्रीन भारत समिट को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • जागरण

20 लाख रुपये इलेक्ट्रिक बस की खरीद पर

23 हजार हेक्टेयर का लैंडबैंक रिन्यूएबल एनर्जी के लिए

सभी के सहयोग से रुकेंगी दुर्घटनाएं : दया शंकर

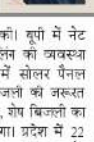

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दया शंकर सिंह ने कहा है कि प्रदेश में सड़क हादसों को रोकने के लिए सभी को आगे आना होगा। सरकार सजग है।

देखें >> जागरण सिटी III

रिन्यूएबल एनर्जी के लिए लैंडबैंक तैयार

योगी ने कहा कि प्रदेश में रिन्यूएबल एनर्जी के लिए हमने 23 हजार हेक्टेयर लैंडबैंक तैयार किया है। प्रदेश में तालाब, बांध में फ्लोटिंग सोलर पैनल स्थापित करके वहां से भी सोलर पावर व रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा दिया जाएगा। एक्सप्रेसवे व हाईवे के दोनों ओर सोलर पैनल स्थापित किए जाएंगे। प्रदेश की नहरों के ऊपर भी सोलर पैनल स्थापित करने की योजना है। इसके माध्यम से 20 हजार मेगावाट की अतिरिक्त रिन्यूएबल ग्रीन व क्लीन ऊर्जा के उत्पादन पर काम कर रहे हैं।

लकड़ी व कोयले से खाना बनाना बहुत खतरनाक

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाएं लकड़ी या कोयले पर खाना बनाती हैं तो उससे होने वाले कार्बन उत्सर्जन, निकलने वाली कार्बन मोनो आक्साइड व निकोटिन का स्वास्थ्य पर बहुत खतरनाक प्रभाव पड़ता है। इस तरह से एक बार भोजन बनाना 100 से अधिक सिगरेट के धुएं से खतरनाक होता है।

ऊर्जादाता बन सकता है उप्र का किसान

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ : हरित ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो सकती है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ी सहजता से उप्र के अन्नदाता किसानों को ऊर्जादाता बनने की दिशा दिखाई। उन्होंने कहा कि कृषि विविधीकरण के जरिये प्रदेश का किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि ऊर्जादाता भी बन सकता है। ईंधनदाता बन सकता है। हवाई ईंधनदाता भी बन सकता है। इसमें उत्तर प्रदेश की अग्रणी भूमिका होगी।

ग्रीन भारत समिट में गडकरी ने बढ़ते प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए एथेनाल, सीएनजी व इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। भविष्यदृष्टा की तरह आने वाले समय की जरूरतों व किसानों की बढ़ती भूमिका भी बताई। कहा, एथेनाल उत्तर प्रदेश में बहुत महत्वपूर्ण है। हमारे देश में एथेनाल ही ऐसा ईंधन है, जो पेट्रोल का विकल्प है। शतप्रतिशत एथेनाल चालित कार बाजार में छह माह के भीतर लांच होने जा रही हैं, जिससे एकदम प्रदूषण नहीं होगा। उप्र की चीनी मिलों में जो एथेनाल बनेगा, वह निर्यात भी होगा। जैसे इंडियन आयल के पंप हैं, वैसे एथेनाल के पंप होंगे। इंडियन आयल 400 एथेनाल पंप लगाने का काम शुरू कर चुका है। कंपनियों ने बाजार में एथेनाल से चलने वाले स्कूटर व ई-रिक्शा भी लांच किए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ग्रीन भारत की जो कल्पना है, उसमें पेट्रोल के आयात को कम करना है। एथेनाल की अर्थव्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण है, जो चार राज्यों से संबंधित है। इनमें पहले नंबर पर उत्तर प्रदेश है। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र, तीसरे नंबर पर कर्नाटक व चौथे नंबर पर तमिलनाडु हैं। आने वाले समय में गन्ने में सुरक्षा व कमाई दोनों हैं। गन्ने का प्रति एकड़ उत्पादन बढ़ाना महत्वपूर्ण है। गडकरी ने भविष्य में ईंधन के रूप में हाइड्रोजन के उपयोग तथा पराली से सीएनजी बनाए जाने पर भी जोर दिया।

गडकरी ने कहा कि पर्यावरण हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए दैनिक जागरण की ओर से आयोजित ग्रीन भारत समिट की सराहना की। कहा, देश में चालीस प्रतिशत वायु प्रदूषण के लिए परिवहन विभाग जिम्मेदार है। देश में 42 लाख करोड़ रुपये पेट्रोल व डीजल के आयात पर खर्च होते हैं, इनसे प्रदूषण बढ़ता है। आयात को कम करना व निर्यात को बढ़ाना सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को पांच ट्रिलियन डालर इकोनामी की बात करते हैं। यदि हमको विश्वगुरु बनना है और दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनना है तो हमें आयात को कम करना होगा। इससे पूर्व दैनिक जागरण के प्रबंध संपादक तरुण गुप्त ने नितिन गडकरी को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। देखें >> जागरण सिटी

दैनिक जागरण द्वारा आयोजित ग्रीन भारत समिट में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी • जागरण

1 स्थान पर पहुंचा उत्तर प्रदेश एथेनाल उत्पादन में, दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र

- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन ने एथेनाल के उत्पादन पर दिया जोर
- उन्होंने कहा विश्वगुरु बनने के लिए निर्यात को बढ़ाना बेहद जरूरी